

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न पत्रिका में अंशायु ज्ञात करें :-
जन्म : 23.3.59, 12:37 बजे गोरखपुर (उ.प्र.)
लग्न : 2 रा. 26:54, सूर्य 11रा. 8:37 4 रा 17:44
मंगल : 1 रा. 26:46 बुध (व) : 11 रा. 18:56 गुरु (व) 7 रा0 8:41
शुक्र : 0 रा. 9:36 शनि : 8 रा. 13:17 राहु : 5 रा. 19:39
केतु : 11 रा. 19:39
2. क. क्रमवार मारक की सूची से आप क्या समझते हैं?
ख. प्र. 1 के लिए मारक ग्रह लिखें।
3. पिण्डायु के आधार पर निम्न जातक का आयुर्दाय ज्ञात करें।
जन्म : 13.7.1972, प्रातः 7:31 दिल्ली
लग्न : कर्क 21:45, सूर्य : मिथुन 27:18 चन्द्र कर्क 26:25
मंगल : कर्क 15:39 बुध : कर्क 23:34, गुरु (व) : धनु 7:44
शुक्र : वृष 25:01 शनि : वृष 21:49 राहु : मकर 2:35
4. क. समझाएं कि कैसे व कब बालारिष्ट भंग होता है?
ख. मारक दशा का आयु जानने में, किस प्रकार प्रयोग होता है?
5. क. पूर्णायु व अल्पायु के योग लिखें।
ख. छिद्र ग्रह किन्हे कहते हैं? उनका ज्योतिष में क्या उपयोग है?

भाग-II (ज्योतिष और चिकित्सा)

6. निम्न भावों का चिकित्सा ज्योतिष में क्या महत्त्व है :-
क. तृतीय भाव ख. छठा भाव ग. अष्टम भाव
घ. द्वादश भाव ड. लग्न
7. निम्न के योग बताएं :-
क. कान के रोग ख. आंख संबंधी रोग ग. गुर्दे के रोग
घ. हृदय आघात
8. मानव शरीर का चित्र बनाते हुए उस पर शरीर के भागों पर 27 नक्षत्र दिखाएं।
9. निम्न के योग बताएं
क. हड्डी टूटना ख. मिरगी ग. मधुमेह
10. क. द्रेष्काण का चिकित्सा ज्योतिष में उपयोग बताएं?
ख. 22 वें द्रेष्काण का क्या महत्त्व है?